नागोद में शिव अवतरण महोत्सव पर उमडा जन सैलाब

पतेरी-सतना। ब्रह्माकुमारीज़,पतेरी द्वारा नागौद में आयोजित शिव अवतरण महोत्सव में दीप प्रज्वलन करते हुए ब्र.कु. शशि, पी.एस. मारवाह,अध्यक्ष सतना सीमेण्ट, पावन ताम्रकर तथा अन्य ।

नागोद। परमात्मा शिव द्वारा दिए गए संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की पतेरी शाखा के तत्वावधान में शिव अवतरण महोत्सव का आयोजन अगोल मैदान में किया गया। उक्त कार्यक्रम का लाभ उठाने के लिए विशाल जनसमूह एकत्रित हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.दीपा,दतिया ने कहा कि वर्तमान समय कलयुग के अंत का भी अंत चल रहा है तथा इस घोर कलयुग रूपी रात्रि परमात्मा शिव पुन: इस धरा को स्वर्ग बनाने और मनुष्य मात्र को देवता बनाने के लिए इस धरा पर अवतरित हो चुके हैं।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में ब्र.कु.डॉ.पुष्पा,जबलपुर ने कहा कि राजयोग मेडिटेशन द्वारा आत्मा को परमपिता परमात्मा से जोड़कर हममें इतनी शक्ति आ जाती है कि कोई भी लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। 40 फुट के शिवलिंग की झांकी कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा तथा गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा चुकीं ब्र.कु.रानी ने अपने बालों से ट्रक खींचने का प्रदर्शन भी किया। ब्र.कु.रानी ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि राजयोग के नियमित प्रयोग से उन्होंने यह शक्ति प्राप्त की और कोई भी इसके माध्यम से अपने-अपने क्षेत्र में शिखर को प्राप्त कर सकता है। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथियों के रूप में पी.एस.मारवाह,अध्यक्ष सतना सीमेंट, महाराज शिवेन्द्र प्रताप सिंह,जूदेव किला नागौद, बहुरानी कामाख्या कुमारी,अध्यक्ष नगर पंचायत नागौद, रामकुमार अग्रवाल, कमलेन्द्र प्रताप सिंह, विनोद सिंह, रामचन्द्र बिजपुरिया, पवन ताम्रकर, विक्रम बहादुर सिंह, ध्रुव राज सिंह, दादूराम बागरी, चंदन सिंह बागरी, रामनारायण निगम, सभापति द्विवेदी आदि उपस्थित थे। मंच को कुशल संचालन ब्र.कु.रेखा द्वारा किया गया।

आपका मन और खुशी

हर इंसान में शक्ति का असीमित भंडार है, जो दुनिया की किसी भी समस्या को परास्त कर सकता है। सच्ची और स्थायी खुशी आपके जीवन में उस दिन आएगी, जब आपको स्पष्ट एहसास हो जाएगा कि आप किसी भी कमज़ोरी से उबर सकते हैं-जब आपको यह एहसास हो जाएगा कि आपका अवचेतन आपकी समस्याओं को सुलझा सकता है, आपके शरीर का उपचार कर सकता है और आपको आपके सपनों से भी ज्यादा समृद्धि दिला सकता है। आपको खुशी चुननी होगी। खुशी एक मानसिक अवस्था है। आपके पास खुशी चुनने की स्वतंत्रता है, इसलिए इसी समय खुशी चुनें।

सुबह अपनी आँखें खोलते ही खुद से कहें

''दैवी विधान आज और हर दिन मेरे जीवन का संचालन करता है। सारी चीजें आज मेरे भले के लिए काम करती हैं। यह मेरे लिए एक नया और अद्भुत दिन है। इस दिन जैसा कोई दूसरा दिन कभी नहीं होगा। मुझे दिन भर दैवी मार्गदर्शन मिलता है और मैं अपने हर काम में समृद्ध रहूंगा। दैवी प्रेम मुझे घेरे है, मेरे चारो तरफ है और मैं शांति से हूँ।

जब भी मेरा ध्यान अच्छाई और सृजनात्मकता से भटकेगा, तो मैं उस चीज के बारे में तत्काल सोचने लगूंगा, जो सुंदर और अच्छी है। मैं आध्यात्मिक और मानसिक चुंबक हूँ, मैं अपनी ओर उन सभी चीजों को आकर्षित करता हूँ, जो मुझे नियामतें देती हैं और समृद्ध करती हैं। आज मैं अपने सभी कामों में अद्भुत सफलता पाऊंगा। निश्चित रूप से आज मैं दिन भर खुश रहूंगा।''

हर दिन इसी तरह शुरू करें, फिर आप खुशी का चुनाव करेंगे और खुश तथा प्रफुल्लित रहेंगे। खुश रहने के बारे में आपको एक महत्वपूर्ण बात याद रखनी चाहिए। आपके मन में खुश होने की सच्ची इच्छा होनी चाहिए। कुछ लोग इतने लंबे समय से तनावग्रस्त, दुखी और निराश होते हैं कि अगर किसी अद्भुत, अच्छी, सुखद खबर से वे अचानक खुश हो जाएं तो उनका मन कहेगा ''इतना खुश होना ठीक नहीं है।'' वे अपनी पुरानी मानसिक संरचना के इतने आदि हो चुके हैं कि उन्हें खुशी सहज महसूस नहीं होती है। वे अपनी जानी-पहचानी तनावग्रस्त, दुखी अवस्था में लौटने के लिए बेताब रहते हैं।

कई लोग दुख चुनते हैं और उन्हें यह एहसास ही नहीं होता है कि वे ऐसा कर रहे हैं। वे इस तरह के विचार रखते हैं:-

1. आज का दिन बुरा है। हर चीज गड़बड़ होने वाली है। 2. मैं सफल नहीं हो पाऊंगा। 3. हर व्यक्ति मेरे खिलाफ है। 4. धंधा बुरा है और यह पहले से ज़्यादा बुरा होने वाला है। 5. मैं हमेशा देर से पहुँचता हूँ। 6. मुझे कभी सुनहरे मौके नहीं मिलते हैं। 7. वह कर सकता है, लेकिन मैं नहीं कर सकता।

अगर सुबह-सुबह आपका यह मानसिक नज़रिया रहता है तो आप अपनी ओर इन सभी दुखद घटनाओं को आकर्षित करेंगे और बहुत दुखी रहेंगे। यह एहसास करना शुरू करें कि जिस दुनिया में आप रहते हैं, वह काफी हद तक इस बात से तय होती है कि आपके दिमाग में क्या चलता है। जो विचार आप आदतन अपने मस्तिष्क में रखते हैं, वे शारीरिक और भौतिक रूप में प्रकट हो जाते हैं। यह सुनिश्चित करें कि आप नकारात्मक, पराजयवादी, बुरे या निराशाजनक विचार न रखें। अपने मस्तिष्क को बार-बार याद दिलाएं कि आप अपनी मानसिकता के बाहर कुछ अनुभव नहीं कर सकते। सुख का साम्राज्य आपके विचार और भावना में है। बहुत सारे लोग सोचते हैं कि सुख उत्पन्न करने के लिए किसी घटना की ज़रूरत होती है। कुछ दौलत प्राप्त करने को सुख समझते हैं। दौलत अपने आप में आपको सुखी नहीं बना सकती। आज कई लोग चीज़ें खरीदकर सुख पाने की कोशिश करते हैं- बेहतरीन टेलीविज़न, नवीनतम कार, महंगे डिज़ाइनर कपड़े, फार्म हाउस इत्यादि। लेकिन सुख इस तरह से खरीदा या पाया नहीं जा सकता। सच तो यह है कि खुशी एक मानसिक और आध्यात्मिक अवस्था है। प्रमोशन या बाहरी सम्मान खुशी नहीं दे सकते। आपकी शक्ति, खुशी और सुख तो इस बात में निहित है कि आप अवचेतन मन में निवास करने वाले दैवी विधान तथा सही कर्म के नियम का पता लगा लें और इन सिद्धांतों को अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में लागू करें।

सबसे सुखी व्यक्ति वह है, जो लगातार अपने भीतर के सर्वश्रेष्ठ स्वरूप को सामने लाता है और उसका अभ्यास करता है। सुख और सद्गुण एक दूसरे के पूरक हैं। सबसे अच्छे लोग न सिर्फ सुखी होते हैं, बल्कि आम तौर पर सफलता से जीने की कला में भी सबसे माहिर होते हैं। ईश्वर के गुण आपके भीतर सबसे ऊँचे और सबसे अच्छे हैं। ईश्वर के प्रेम, प्रकाश, सत्य और सुंदरता को अधिक व्यक्त करेंगे तो आप दुनिया के सबसे सुखी व्यक्तियों में से एक बन जाएंगे।

मण्डी-हि.प्र.। माननीय मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह,हि.प्र. तथा स्वास्थ्य राजस्व और कानून मंत्री कौल सिंह ठाकुर का आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी में स्वागत करते हुए ब्र.कु. दीपा व ब्र.कु. लता।

आदिपुर। पूज्य श्री संत मोरारी बापू,कथाकार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. भारती।

अमरावती। महाशिवरात्रि के अवसर पर तपस्या भट्टी का उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.कमल, ब्र.कु.रामनाथ,माउण्ट आबू एवं स्वामी श्री शाश्वतानंद जी महाराज,अखण्ड परमधाम आश्रम।

मिर्ज़ापुर-उ.प्र.। 'आध्यात्मिक स्नेह मिलन' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए डिस्ट्रिक्ट जज भगवान सिंह, भा.ज.पा. के वरिष्ठ नेता अनुराग सिंह, इंजीनियर गिरीश चन्द्र, समाजसेवी मोहनलाल आर्या, ब्र.कु.बिन्दु तथा अन्य।

वदनावर-इन्दौर। मायापुरी महाराज को ईश्वरीय सौगात देते हुए ब्र.कु.रेखा।

कोटा-राजस्थान। संगीतमय राजयोग शिविर का दीप प्रज्वलन कर उद्घाटन करते हुए एम.पी. ईश्वर,सी.एम.डी.,आइ.एल., स्मॉल स्केल इंडस्ट्री के अध्यक्ष एल.सी. बाहेवी, ब्र.कु. उर्मिला तथा अन्य।